Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding promoting Sanskrit and Vedic education by establishing Saints and Priests Welfare Board.

डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद।

महोदय, मैं सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि भारतवर्ष में जिस तरीके से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विश्व गुरु की भूमिका में भारत को आगे बढ़ा रहे हैं, ऐसे में यह समय की जरूरत है कि संस्कृत एवं वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संत, पुरोहित एवं पुजारी कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाए। हरियाणा ने इसमें पहल की है। रविवार को माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने हरियाणा में यह घोषणा की है। उन्होंने संत, पुरोहित और पुजारी कल्याण बोर्ड की स्थापना की घोषणा की है। इसके जरिये से हमारे मंदिरों में जो पुजारी काम कर रहे हैं, उनके लिए एक न्यूनतम आय का साधन बने। इसके माध्यम से हमारे धार्मिक स्थलों पर पुरोहित एवं पुजारियों के लिए एक न्यूनतम आय का साधन बने, यह मैं माँग करता हूँ। साथ ही प्रभु सेवा में लगे सहायकों के लिए भी एक न्यूनतम धनराशि का प्रावधान हो, क्योंकि देश भर में अनेकों ऐसे मंदिर हैं, चाहे वह भगवान विष्णु जी का मंदिर हो, भगवान शंकर जी का मंदिर हो, प्रभु श्री राम जी के मंदिर हों, राम भक्त हनुमान जी के मंदिर हों, माता भगवती, माँ दुर्गा जी के मंदिर हों, गुरु रविदास जी के मंदिर हों, संत कबीर साहब के हों, महर्षि बाल्मीकि जी के मंदिर हों, जो भी मंदिर हैं, जितने भी सिद्ध महात्मा, दैवीय पुरुष या अलौकिक शक्तियों से संबंध रखने वाले महापुरुषों के मंदिर हैं, उन सभी मंदिरों के देखरेख करने वाले सहायकों एवं पूजा करने वाले पुरोहितों के लिए एक कल्याण बोर्ड की नितांत आवश्यकता है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि इस पर ध्यान दिया जाए और इसको आगे बढ़ाया जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री हिबी इडन।

आप एक मिनट में अपनी बात खत्म कीजिए।

<u>19.00 hrs</u>

SHRI HIBI EDEN (ERNAKULAM): Sir, this is a very important issue. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपका इश्यू इम्पोर्टेंट हो सकता है।

… (व्यवधान)